PART-**1**

अरब भूगोलवेत्ता- अल-बरूनी

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

अरब भूगोलवेत्ता (Arab Geographers in hindi)

अनेक अरब लेखकों और विद्वानों ने भूगोल के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान किया है। उनमें से कुछ प्रमुख विद्वानों के योगदान की संक्षिप्त चर्चा यहाँ की जा रही है।

(3) अल-बरूनी (Al-Beruni)

अल-बरूनी (973-1039) का जन्म मध्य एशिया में उजबेकिस्तान के खारिज्म नगर के समीप सरदरिया (नदी) के तट पर स्थित 'बीरून' नामक स्थान पर हुआ था। इनका बचपन का नाम अबू रिहान मोहम्मद था। उस समय ख्वारिज्य नगर शैक्षिक केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध था। अल-बरूनी ने यहीं से शिक्षा ग्रहण की धी। अल-बरूनी उजबेकिस्तान से गजनी आये थे वहाँ से उन्होंने भारत की भी यात्रा की थी। उन्होंने धर्म, दर्शन, गणित, ज्योतिष, इतिहास, औषधि (चिकित्सा) विज्ञान की शिक्षा प्रहण की थी। बाद में उन्होंने

अरबी के अतिरिक्त फारसी, यूनानी, संस्कृत आदि भाषाओं को भी सीखा और उन भाषाओं में लिखित प्रमुख पुस्तकों का गहन अध्ययन किया अल-बरूनी एक महान विद्वान और बहु-आयामी प्रतिभा के धनी थे। उनकी मृत्यु गजनी में हुई थी।

बहु-आयामी लेखक अल-बरूनी ने अनेक पुस्तकें लिखी और विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रकट किये। अल-बरूनी के प्रमुख ग्रंथ इस प्रकार हैं-1) किताब-अल-हिन्द, (2) तारीखे-अल-हिन्दू, अल-कानून-अल-मसूदी (बादशाह मसूद के कानून), (4) अथर - अल-बगिया, (5) किताब- अल-जमाकीर, (6) किताब-अल-सैयदना, (7) अल-तहदीद आदि। उन्होंने पतंजलि के प्रसिद्ध संस्कृत ग्रंथ 'महाभाष्य' का अरबी भाषा में अनुवाद भी किया था। अल-बरूनी ने भूगोल संबंधी 27 पुस्तकें लिखा था जिनमें से 12 पुस्तकें मानचित्र कला, भूगणित और जलवायु विज्ञान (प्रत्येक पर चार-चार पुस्तकें) पर थीं। अन्य पुस्तकें धूमकेतुओं, उल्काओं, सर्वेक्षण आदि से सम्बन्धित थीं अल-बरूनी का प्रमुख योगदान खगोल विज्ञान, गणितीय भूगोल और प्रादेशिक भूगोल में था।